आनंदालय

सामयिक परीक्षा - 1

कक्षा : नौवीं

उत्तर कुँजी और अंक विभाजन

विषय : हिंदी 'ब' (085) अधिकतम अंक : 40

दिनांक: 19-07-2024 समय : 1 घंटा 30 मिनट

अंक विभाजन -

1. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही होने पर पूरे अंक दिए जाएँगे |
2. लिखित प्रश्नों के उत्तर पूरी तरह से सही होने पर पूरे अंक दिए जाएँगे|
3. मात्र दोष पर १/२ से २ अंक तक अंक कटे जा सकते हैं |

1. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(i) (ग) में जितना आदर अपने साहित्य का करते थे उतना ही आदर भारत तथा विदेशों के साहित्य का भी करते थे। (1)

(ii) (घ) भाषा की गरिमा बनाए रखने पर (1)

(iii) (ग) अंग्रेजी का अनुवाद बाजारू स्तर की हिंदी में न किया जाए (1)

(iv) बच्चन जी के अनुसार किस प्रकार की हिंदी लोकप्रिय और लोकरंजक हो सकती है और क्यों ? (2)
उत्तर- संस्कृत की ओर झुकती हिंदी -------- आदि |

(v) उत्तर- उनका कहना था कि अंग्रेजी का अनुवाद बाजारू स्तर की हिंदी में माँगना हिंदी के साथ अन्याय करना है। - (2)
---

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशनुसार दीजिए - (1x7=7)

(i) इच्छावाचक (अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद है)

(ii) संदेहवाचक (वहाँ अर्थ की दृष्टि से कौन सा वाक्य का भेद होता है)

(iii) प्रति + एक (उपसर्ग छाँट कर लिखिए)

(iv) पाव+अक (प्रत्यय छाँट कर लिखिए)

(v) पद (रेखांकित शब्द है - शब्द / पद)

(vi) अंकगणित (वाक्य से अनुस्वार शब्द छाँट कर लिखिए)

(vii) ज़मीन (वाक्य से नुक्ता वाले शब्द को छाँट कर लिखिए)

3. गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x4=4)

(i) (क) पके खरबूजे चुन रहा

(ii) (ख) नया कपड़ा।

(iii) (ग) क-ख दोनों।

(iv) (ख) यशपाल।

4. पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x3=3)

(i) (घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

(ii) (ख) बोधा

(iii) (घ) छुआछूत

5. निम्नलिखित चार में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) गाँव के बचपन और शहर के बचपन में अंतर होने के अनेक कारण हैं, पर इनमें अंतर का मुख्य कारण धूल है। गाँव में चारों ओर धूल होती है। इसी धूल में बचपन पल-बढ़कर बड़ा होता है। इसमें खेलने-गिरने और धूल-धूसरित होने से बच्चों का सौंदर्य बढ़ जाता है। इससे हर शिशु भोलानाथ बना नजर आता है। गाँव के अखाड़े में यही मिट्टी तेल और मट्ठे से सनकर शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ असीम सुख की अनुभूति कराती है। इसके विपरीत शहर में मोटर-गाड़ियों से उठने वाली धूल-धक्कड़ होती है। यह धूल गंदगी को पर्याय मानी जाती है जिससे सभी अपने बच्चों को बचाए रखना चाहते हैं।

(ii) बुढ़िया का तेईस वर्षीय जवान बेटा ही उसका एकमात्र कमाऊ सदस्य था। वह शहर के पास की डेढ़ बीघा भूमि पर सब्ज़ियाँ उगाकर घर का गुजारा चलाता था। उसकी मृत्यु होने से घर में कोई कमाने वाला सदस्य न बचा। उसकी मृत्यु साँप के काटने से हुई थी। साँप के काटने का इलाज करवाने के लिए उसकी माँ ओझा को बुला लाई थी जिसने झाड़-फेंक और नाग-पूजा के नाम पर तथा दान-दक्षिणा के रूप में अमाज और आटा तक चला गया। उसके लिए कफ़न की व्यवस्था करते हुए साधारण से बचे-खुचे जेवर भी बिक गए जिससे बुढ़िया के पोते-पोती को खाने के लाले पड़ गए। इस प्रकार बुढ़िया के बेटे की मृत्यु से उसे जान और माल दोनों की हानि उठानी पड़ी।

(iii) रैदास द्वारा रचित 'अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी' में अपने आराध्य के नाम की रट की आदत न छोड़ पाने के माध्यम से कवि ने अपनी अटूट एवं अनन्य भक्ति भावना प्रकट की है। इसके अलावा उसने चंदन-पानी, दीपक-बाती आदि अनेक उदाहरणों द्वारा उनका सान्निध्य पाने तथा अपने स्वामी के प्रति दास्य भक्ति की स्वीकारोक्ति की है। अलंकारों की छटा दर्शनीय है ..... आदि |

(iv) धूल धूसरित हो जाते हैं। हमारी सभ्यता चमक-दमक चाहती है। उसका मानना है कि इन धूलि भरे हीरों को गोद में उठाते ही उसके कपड़े मैले हो जाएँगे। उसकी चमक-दमक फीकी पड़ जाएगी। यह सभ्यता काँच को चमक के कारण अपनाने को तैयार है परंतु इन धूलिभरे हीरों को नहीं। इस कारण वह इन हीरों को देखकर भी अनदेखा करती है और इनसे दूरी बनाकर रखती है।

6. निम्नलिखित दो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (1x3=3)

(i) लेखिका अत्यंत सदय, संवेदनशील तथा परदुखकोतर थी। उससे मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षियों का दुख भी नहीं देखा जाता था। इसके अलावा उसे जीव-जंतुओं की भावनाओं की सूक्ष्म समझ थी। लेखिका ने देखा कि वसंत ऋतु में गिल्लू अन्य गिलहरियों की चिक-चिक सुनकर उन्हें अपनेपन के भाव से खिड़की में से निहारता रहता है। लेखिका ने तुरंत कीलें हटवाकर खिड़की की जाली से रास्ता बनवा दिया, जिसके माध्यम से वह बाहर जाकर अन्य गिलहरियों के साथ उछल-कूद करने लगा। इससे हमें जीव-जंतुओं की भावनाएँ समझने, उनके प्रति दयालुता दिखाने तथा जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में पहुँचाने की प्रेरणा मिलती है।

(ii) लेखिका ने देखा कि गमले और दीवार की संधि के बीच एक छोटा-सा गिलहरी का बच्चा पड़ा है। शायद यह घोंसले से गिर गया होगा। इसे कौए अपना भोजन बनाने के लिए तत्पर थे कि लेखिका की दृष्टि उस पर पड़ गई। उसने उस बच्चे को उठाकर उसके घावों पर पेंसिलीन लगाई और पानी पिलाया। इससे वह दो-तीन दिन में स्वस्थ हो गया। लेखिका के इस कार्य में हमें-

जीव जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा मिलती है।

जीव-जंतुओं की रक्षा करने की सीख मिलती है।

जीव-जंतुओं को न सताने तथा उन्हें प्रताड़ित न करने की प्रेरणा मिलती है।

7. अनुच्छेद - (1) विषय २ अंक (2) भाषा २ (3) कोटेशन 1 अंक (1x5=5)

8. चित्र वर्णन -(1) विषय २ अंक (2) भाषा २ (3) भाव 1 अंक (1x5=5)